हिन्दी साप्ताहिक

बतकही

RNI No. UPHIN/2021/82967

वर्ष 4 अंक 26 | फतेहपुर, सोमवार 10 फरवरी 2025 | पृष्ठ 4 मूल्य 1 रूपया

दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी के नैतिक क्षरण पर जनता की मुहर

दिल्ली के वोटर्स ने आम आदमी पार्टी को सत्ता से बाहर कर दिया है. मतगणना के नतीजे यही बताते हैं। भारतीय जनता पार्टी 70 में से 48 सीटों पर जीत हासिल की है, जबकि आम आदमी पार्टी 22 सीटों पर सिमट कर रह गई। कांग्रेस को एक भी सीट पर जीत हासिल नही हुई है। हालांकि कांग्रेस ने दस सीटों पर आप की पराजय के अन्तर से कई गुना अधिक वोट हासिल कर अरविन्द केजरीवाल को सदमें में डाल किया है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी सिर्फ हारी ही नहीं, बल्कि राजनीति में नैतिकता और शुचिता के जिन मूल्यों की स्थापना के जिस दावे के साथ इस दल का अन्ना आंदोलन के गर्भ से जन्म हुआ था, कहीं न कहीं उनसे दूर होना इस पार्टी को ले डूबा। इस बार सिर्फ पार्टी ही नहीं, बल्कि निवर्तमान मुख्यमंत्री आतिशी और मंत्री गोपाल राय को छोड़कर कमोबेश आप के सभी बड़े नेता चुनाव हार गए। वरना यही बीजेपी, यही नरेंद्र मोदी और यही अमित शाह 2015 और 2020 में भी तो थे। तब भी पूरा जोर लगाया गया था, लेकिन तब अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी का नई और अलग राजनीति का नारा भाजपा की संगठन शक्ति, उसके नेताओं की चमक, साधन, संसाधन और तंत्र बल पर भारी पड़ा था।

अगर आम आदमी पार्टी और टीम केजरीवाल अपनी नैतिक आभा नहीं खोते तो उनकी जीत की संभावनाओं पर कोई संशय नहीं होता। दरअसल 2013 से दिल्ली की राजनीति में मिलने वाली अपार लोकप्रियता से अरविंद केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी के अपराजेय होने का भ्रम पैदा कर दिया था। उन्होंने जनता को अपने पीछे चलने वाली भीड़ समझ लिया। वो भूल गए कि जनता किसी व्यक्ति या दल के पीछे नहीं, बल्कि उन वादों, दावों और सपनों के साथ है, जिन्हें नई राजनीति के नारे के साथ अरविंद केजरीवाल और आप ने शुरू किया था और जिनमें कट्टर ईमानदारी, सत्ता के तामझाम से दूर सादगी, आम जन से निकटता, राजनीति में शुचिता, सार्वजनिक नैतिकता की स्थापना, भ्रष्टाचार उन्मूलन और सर्व ध र्म समभाव शामिल थे।

2013 में दिल्ली के लोगों ने केजरीवाल में संभावना देखी। 2015 में उन्हें अपार बहुमत देकर बड़ा मौका दिया और 2020 में मुफ्त, बिजली, पानी, बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य के लिए उठाए गए कदमों पर मुहर लगाते हुए दोबारा भरोसा दिया कि वो सब करो, जो आप कहते हो। हालांकि, 2020 से 2025 के दौरान अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी रास्ता भटक गए या यूं कहें कि उन्होंने रास्ता बदल दिया। 2022 में दिल्ली नगर निगम की जीत ने आप और टीम केजरीवाल का मनोबल और बढ़ा दिया। इससे वो अति आत्मविश्वास के शिकार हुए, जो कालांतर में सत्ता के अहंकार में बदल गया क्योंकि दोनों के बीच की सीमा रेखा बेहद क्षीण होती है।

इसी दौर में कथित शराब घोटाले और शीशमहल जैसे विवादों ने आप और केजरीवाल की नैतिक आभा को निस्तेज किया और बीजेपी–कांग्रेस दोनों को हमले का मौका दिया। अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह, सत्येंद्र जैन की गिरफ्तारी और जेल यात्रा ने भाजपा को और ज्यादा हमलावर होने का मौका दे दिया। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस से गठबंधन और विधानसभा चुनाव में उसी कांग्रेस को बीजेपी की बी टीम बताने से आप की राजनीतिक साख पर भी खराब असर पड़ा। गिरफ्तार होने और जेल जाने के बावजूद मुख्यमंत्री पद से त्यागपत्र न देकर अरविंद केजरीवाल ने सार्वजनिक नैतिकता और राजनीतिक शुचिता के सार्वभौमिक मूल्य के स्वघोषित संकल्प को तार–तार कर दिया।

इसके बाद रही सही कसर तब पूरी हो गई, जब केजरीवाल ने इस्तीफा देकर सिर्फ चुनाव तक आतिशी सिंह को मुख्यमंत्री बना दिया। इसकी जगह अगर केजरीवाल गिरफ्तार होते ही इस्तीफा देकर आतिशी को पूर्णकालिक मुख्यमंत्री बना देते तो उनकी नैतिक आभा भी बचती और तस्वीर भी कुछ और हो सकती थी, लेकिन केजरीवाल को लगा कि जनता उनके हर सही और हर गलत फैसले को झूमते हुए सिर माथे लगा लेगी। यही उनकी बड़ी भूल थी।

बीजेपी ने इस बार पिछली बार की तरह चुनाव हिंदू–मुस्लिम पर नहीं, दिल्ली के मुद्दों पर लड़ा। बिजली, पानी, यमुना के पानी, वायु प्रदूषण, टूटी सड़कों, गंदी नालियों, सीवर और सुशासन को मुद्दा बनाया और उस पर ही आप को घेरा। केजरीवाल की मुफ्त घोषणाओं के जवाब में बीजेपी ने बाजी मारी। आप और कांग्रेस के मजबूत नेताओं को तोड़कर उनके जरिए वो सीटें भी जीतीं, जो वह पहले नही जीत सकी थीं। जबकि केजरीवाल अपने नाराज नेताओं को भी नहीं संभाल सके। भाजपा की जीत में कांग्रेस का भी गिलहरी वाला योगदान रहा, जो खुद जीतने से ज्यादा आप को हराने के लिए लड़ रही थी।

यूजीसी मसौदा नियमों पर राहुल गांधी ने किया हमला, कहा-देश की विविधता का सम्मान होना चाहिए

नयी दिल्ली लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के मसौदा नियमों का हवाला देते हुए बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का इरादा देश पर एक विचार, एक इतिहास और एक भाषा थोपने का है, लेकिन इसे स्वीकार नहीं किया जाएगा। वह यूजसी के मसैदा नियमों के खिलाफ यहां जंतर मंतर पर द्रमुक की छात्र इकाई द्वारा आयोजित प्रदर्शन में शामिल हुए। राहुल गांधी ने दावा किया, ''आरएसएस का उद्देश्य अन्य सभी इतिहास, संस्कृतियों और परंपराओं को मिटाना है। यही तो वे हासिल करना चाहते हैं। उनका इरादा देश पर एक ही विचार, इतिहास और भाषा थोपने का है। उन्होंने आरोप लगाया कि आरएसएस विभिन्न राज्यों की शिक्षा प्रणालियों के साथ भी ऐसा ही करने का प्रयास कर रहा है तथा यह उनके एजेंडे को आगे बढ़ाने का एक और कदम है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, ''प्रत्येक राज्य की अपनी अनूठी परंपरा, इतिहास और भाषा होती है, यही कारण है कि संविधान में भारत को राज्यों का संघ कहा जाता है। हमें इन मतभेदों का सम्मान करना चाहिए और समझना चाहिए। उनके मुताबिक, तमिल लोगों का हजारों वर्षों से चला आ रहा समृद्ध इतिहास, संस्कृति और परंपरा है। राहुल गांधी ने कहा, ''यह तमिल लोगों और अन्य राज्यों का अपमान है जहां आरएसएस अपनी विचारधारा थोपने की कोशिश कर रही है। यह आरएसएस द्वारा उन सभी चीजों को कमजोर करने का एक प्रयास है। उनका कहना था, ''कांग्रेस पार्टी और 'इंडिया गठबंधन में बहुत स्पष्ट है कि हर एक राज्य, हर इतिहास, हर भाषा और हर परंपरा का सम्मान किया जाना चाहिए। उनके साथ समान व्यवहार किया जाना चाहिए, अलग–अलग नहीं। राहुल गांधी ने कहा, ''हमने अपने घोषणापत्र में पहले ही कहा था कि शिक्षा को राज्य सूची में वापस लाया जाएगा। मैं मंच पर मौजूद अपने सभी दोस्तों से कहना चाहता हूं कि आप जो कह रहे हैं हम उसका पूरा समर्थन करते हैं। हम इस देश के प्रति आरएसएस के दृष्टिकोण को स्वीकार नहीं करते हैं, न ही उनके इस विचार को स्वीकार करते हैं कि इस देश पर एक दिवालिया विचारधारा थोपी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि चाहे वे अपनी कल्पनाओं को साकार करने की कितनी भी कोशिश कर लें, यह देश उनकी विचारधारा को कभी स्वीकार नहीं करेगा। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा, ''आरएसएस को यह समझने की जरूरत है कि वे संविधान, हमारे राज्यों, हमारी संस्कृतियों, परंपराओं और हमारे इतिहास पर हमला नहीं कर सकते। कर्नाटक के उच्च शिक्षामंत्री एम सी सुधाकर द्वारा बुधवार को इसी विषय को लेकर विपक्ष शासित राज्यों के उच्च शिक्षा मंत्रियों का सम्मेलन आयोजित किया गया। उसमें कर्नाटक, तेलंगाना, केरल, तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश, और झारखंड के छह मंत्रियों ने यूजीसी की ''दमनकारी मसौदा नियमावली, 2025 के खिलाफ 15 सूत्रीय प्रस्ताव अपनाया है।

काली पट्टी बांधकर कोर्ट पहुंचे वकील

लखनऊ,(संवाददाता)। प्रयागराज में वकील के साथ हुई मारपीट मामले को लेकर लखनऊ के वकील प्रदर्शन कर रहे हैं। वकीलों ने आज काम बंद दिया है। सभी काली पट्टी बांध कर सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। इधर लखनऊ बार एसोसिएशन ने अधिवक्ताओं के खिलाफ हो रही घटनाओं को लेकर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। प्रयागराज में वकील धीरेंद्र सिंह के साथ 4 फरवरी को मारपीट हुई। आरोप है कि उप निरीक्षक अतुल सिंह ने सार्वजनिक रूप से वकील के साथ दुर्व्यवहार किया। उनके कोट पैंट फाड़ दिए गए। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ।

शिवपुरी में एयरफोर्स का फाइटर प्लेन क्रैश, दो पायलट घायल

शिवपुरी। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के करैरा तहसील के नरवर में भारतीय वायुसेना का एक लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। घटना के अनुसार, विमान ने घरों को बचाते हुए एक खाली स्थान पर क्रैश लैंडिंग की। गिरते ही विमान में आग लग गई। हादसे में दो पायलट घायल हुए हैं। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दुर्घटना के कारणों की जांच के लिए वायुसेना के अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। विमान हादसा नरवर तहसील के दबरासानी गांव में गुरुवार दोपहर हुआ। सेना का एक हेलीकॉप्टर क्रैश होकर किसानों के खेतों में जा गिरा और गिरते ही उसमें आग लग गई। घटना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण घटना स्थल के पास पहुंच गए। बता दें कि देश के विभिन्न हिस्सों में वायुसेना के विमानों की दुर्घटनाओं की घटनाएं लगातार सामने आई हैं। सितंबर 2024 में, राजस्थान के बाड़मेर जिले में एक मिग–29 लड़ाकू विमान नियमित प्रशिक्षण मिशन के दौरान तकनीकी खराबी के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें पायलट सुरक्षित रूप से बाहर निकलने में सफल रहे थे। वायुसेना द्वारा इन घटनाओं की जांच की जा रही है ।

सम्पादकीय

आदिवासी बच्चों का अनोखा स्कूल

मध्यप्रदेश के अलीराजपुर जिले के ककराना गांव में ऐसा आवासीय स्कूल है, जहां न केवल पलायन करने वाले आदिवासी मजदूरों के बच्चे पढ़ते हैं बल्कि हुनर भी सीखते हैं। यहां उनकी पढ़ाई भिलाली, हिन्दी और अंग्रेजी भाषा में होती है। वे यहां खेती–किसानी से लेकर कढ़ाई, बुनाई, बागवानी और मोबाइल पर वीडियो बनाना सीखते हैं। आज के कॉलम में इस अनोखे स्कूल की कहानी सुनाना चाहूंगा, जिससे यह पता चले कि स्थानीय लोग भी स्कूल बना सकते हैं, चला सकते हैं और उनके बच्चों को शिक्षित कर सकते हैं। मैं इस स्कूल को देखने और समझने दो बार जा चुका हूं। स्कूल के अतिथि गृह में ठहरा हूं। इस दौरान शिक्षकों, छात्रों और ग्रामीणों से मिला हूं। कई गांवों में गया हूं। मुझे यह देखकर सुखद आश्चर्य हुआ कि यहां का स्कूल बहुत ही अनुशासित, व्यवस्थित और नियमित है। स्कूल के साथ–साथ प्रकृति से जुड़कर पढ़ाने पर जोर दिया जाता है। यहां के अधिकांश शिक्षक स्वयं आदिवासी हैं, और इनमें से एक–दो तो इसी स्कूल से पढ़े हैं। पश्चिमी मध्यप्रदेश का अलीराजपुर जिला सबसे कम साक्षरता वाले जिलों में से एक है। यहां के बाशिन्दे भील आदिवासी हैं। यहां की प्रमुख आजीविका खेती है। लेकिन चूंकि असिंचित और पहाड़ी खेती है, इसलिए अधिकांश लोग पलायन करते है। यहां के अधिकांश लोग राजस्थान और गुजरात में मजदूरी के लिए जाते हैं, इसलिए उनके बच्चों की पढ़ाई नहीं हो पाती थी। लेकिन इस आवासीय स्कूल से बच्चों की पढ़ाई हो रही है। इस इलाके में आदिवासियों के हक और सम्मान के लिए खेडुत मजदूर चेतना संगठन सक्रिय रहा है। शुरूआत में इस संगठन ने अनौपचारिक रूप से आदिवासी बच्चों को पढ़ाना शुरू किया। लेकिन बाद में इसके कार्यकर्ता कैमत गवले व गांववासियों ने मिलकर ककराना गांव में आवासीय स्कूल की शुरूआत की। यह वर्ष 2000 की बात है। स्कूल का नाम रानी काजल जीवनशाला है। यह स्कूल, मध्यप्रदेश शिक्षा विभाग में पंजीकृत है और यहां माध्यमिक स्तर की शिक्षा दी जाती है। स्कूल के प्राचार्य निंगा सोलंकी बताते हैं कि वर्ष 2008 में हमने कल्पांतर शिक्षण एवं अनुसंधान केन्द्र समिति गठित की, जो स्कूल के संचालन के लिए वित्तीय मदद जुटाती है। हाल ही में महिला जगत लिहाज समिति नामक संस्था ने भी संचालन में सहयोग करना शुरू किया है,जिसकी मदद से नए भवन बने हैं और छात्रावास भी संचालित हो रहा है। स्कूल का सर्व सुविधायुक्त परिसर है, भवन हैं और 2 एकड़ जमीन है, जिसमें हरे–भरे पेड़–पौधों के साथ जैविक खेती भी होती है। यह परिसर पहाड़ियों से घिरा हुआ है। यहां मिट्टी–पानी का संरक्षण हो, यह सुनिश्चित किया जा रहा है। मिट्टी का क्षरण न हो और पानी की एक बूंद भी परिसर से बाहर न जाए, इसलिए परिसर में पेड़–पौधों का रोपण किया गया है। यहां सागौन, महुआ, शीशम, कटहल, बादाम, सीताफल, जाम, नीम, नींबू, अंजन जैसे करीब 2000 पौधे रोपे गए हैं। विद्यार्थी प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण व संवर्धन का काम करते हैं। परिसर में सैकड़ों तरह के पक्षियों का बसेरा भी है। वे आगे बताते हैं कि आदिवासी बच्चों के लिए आवासीय स्कूल की जरूरत है, क्योंकि उनके परिवार में पढ़ाई–लिखाई का कोई माहौल नहीं है। वे आजाद भारत में पहली पीढ़ी हैं, जो शिक्षित हो रहे हैं। हमने यह महसूस किया कि बच्चों को एक दिन के स्कूल की तुलना में ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। इसलिए आवासीय स्कूल का निर्णय लिया गया। दैनिक स्कूलों में कामकाज की समीक्षा से पता चला कि अशिक्षित माता–पिता के बच्चों के प्रभावी शिक्षण के लिए उन्हें नियमित स्कूली घंटों के अलावा भी पढ़ाने की जरूरत है। इन्हें जो शिक्षक पढ़ाते हैं, वे भी उनके बीच के हैं और परिसर में ही रहते हैं। इस शाला का नाम आदिवासियों की देवी रानी काजल के नाम पर रखा गया है। जिसके बारे में मान्यता है कि यह देवी महामारी व संकट के समय उनकी रक्षा करती है। स्कूल की फीस का ढांचा ऐसा है कि अभिभावक इसे वहन कर सकें। प्राचार्य सोलंकी बतलाते हैं कि इस स्कूल का उद्देश्य आदिवासी पहचान और संस्कृति का संरक्षण करना भी है। इसमें दूसरी कक्षा तक भिलाली भाषा में बच्चों को पढ़ाया जाता है। और इसके बाद हिन्दी और अंग्रेजी भी पढ़ाई जाती है। कुछ भीली किताबों का अंग्रेजी और हिन्दी में भी अनुवाद किया गया है। वे आगे बताते हैं कि यहां पढ़ाई के साथ हाथ के हुनर व कारीगरी सिखाई जाती है। किसानी, लोहारी, बढ़ईगिरी, सिलाई और बागवानी इसमें प्रमुख हैं। पिछले वर्ष मध्यप्रदेश शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित पांचवी और आठवीं कक्षा की परीक्षाओं में इस विद्यालय के विद्यार्थी जिले में अव्वल आए थे। कुछ अधिकारी और सरकारी नौकरियों में गए हैं। स्कूल के एक शिक्षक हैं, जो पहले इसी स्कूल के विद्यार्थी रह चुके हैं। पहली बार नर्मदा किनारे गांवों की लड़कियां पढ़ रही हैं और उनमें से एक शिक्षिका भी बन गई है।इसके अलावा, यहां आधुनिक रिकार्डिंग स्टूडियो भी है, जहां आदिवासी संस्कृति पर वीडियो बनाए जाते हैं, इसका भील वॉयस नामक एक यू ट्यूब चौनल भी है, जिसमें कार्यक्रम प्रसारित किए जाते हैं। स्कूल की शुरूआत में बिना पाठ्यपुस्तकों के ही पढ़ाई होती थी। भिलाली और हिन्दी में बच्चों को पढ़ना–लिखना सिखाया जाता था। लेकिन जल्द ही पाठ्यक्रम विकसित किया गया। अब तो मध्यप्रदेश के स्कूली पाठ्यक्रम के अलावा कौशल आधारित शिक्षा व प्रशिक्षण दिया जाता है। हर साल गर्मी की छुट्टियों के दौरान प्राचार्य निंगा सोलंकी और शिक्षिका रायटी बाई ने नई शिक्षण पद्धति अपनाई है। वे पाठ्यक्रम से संबंधित शैक्षणिक वीडियो व आडियो बनाते हैं जिन्हें बाद में बच्चों के माता–पिता के मोबाइल पर साझा किया जाता है। इससे बच्चे परिसर के बाहर घर में भी उनकी पढ़ाई जारी रखते हैं। महत्वपूर्ण जानकारी देने के लिए फोन कॉल और संदेशों का आदान–प्रदान भी किया जाता है। प्राचार्य सोलंकी बतलाते हैं कि आदिवासियों की संस्कृति, बोलियां और जीवनशैली आधुनिक प्रभावों के कारण तेजी से बदल रही है। उनकी पारंपरिक जीवनशैली का अनूठापन लुप्त हो रहा है, इसलिए हमने भीली में यह कार्यक्रम शुरू किया है, जिससे उसका संरक्षण किया जा सके। इसके लिए अमेरिका में प्रवासीय भारतीय प्रोफेसर उत्तरन दत्ता ने सहयोग दिया है और उनके मार्गदर्शन में 15–20 बच्चों को मोबाइल वीडियोग्राफी और वीडियो संपादन का प्रशिक्षण दिया गया है। इसके माध्यम से लोकगीत, कहानियां और पारंपरिक उपचार विधियों और जंगलों के खान–पान व महत्व पर आधारित कार्यक्रम तैयार किए जाते हैं।कुल मिलाकर, यह आदिवासी मजदूर बच्चों का आवासीय स्कूल है, जिसमें न केवल पढ़ाई करते हैं, बल्कि गतिविधि आधारित शिक्षा भी हासिल करते हैं। प्रकृति अवलोकन, श्रम आधारित उत्पादन पद्धति से भी सीखते हैं। उनकी भीली–भिलाली भाषा में मौलिक अभिव्यक्ति भी करते हैं। इसके लिए उनका यू ट्यूब चौनल भी है। इस स्कूल के मूल्यों में एक आदिवासी पहचान,संस्कृति व अच्छी परंपराओं का संरक्षण करना भी है।इस स्कू ल की खास बात यह भी है कि स्कूली शिक्षक उनके बीच रहते हैं। जिज्ञासा, सवाल व समस्याओं के हल के लिए सहज ही उपलब्ध हैं। वे एक परिवार की तरह रहते हैं। बच्चों को तोतारटंत किताबी ज्ञान नहीं, बल्कि श्रम के मूल्य साथ समझ विकसित करने की कोशिश की जाती है। इस स्कूल ने श्रम के मूल्य का बोध भी कराया है, जिसका पूरी शिक्षा व्यवस्था में लोप हो गया है। यह पूरी पहल सराहनीय होने के साथ अनुकरणीय भी है।

अमेरिका-चीन में पुनः शुरू हुए व्यापार युद्ध का कारोबारी लाभ आखिर कैसे उठाएगा भारत?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हम भारतीयों के मनोमस्तिष्क में इसलिए हमेशा बसे रहते हैं कि उन्होंने आपदा को अवसर में बदलने का हुनर दिखलाया सिखलाया बतलाया है। इस हेतु राष्ट्रीय जज्बे को जिस शानदार–जानदार तरीके से उन्होंने प्रदर्शित किया–करवाया है, उसने हम सबको उनका मुरीद बना दिया है। वैश्विक महामारी कोरोना के पहले, कोविड–19 के दौरान और उसके बाद भी उन्होंने दुनियावी त्रासदी/पारस्परिक संघर्षों–संकटों को जितना सकारात्मक तरीके से लिया है, उससे भारत पुनः विश्वगुरू बनने की ओर अग्रसर है। उनके नेतृत्व में भारत अब याचक कम, दाता ज्यादा नजर आता है। यही वजह है कि समावेशी व्यापार प्रचलन स्थापित–संचालित–नियंत्रित करने में विश्व व्यापार संगठन यानी डब्ल्यूटीओ की विफलता के बाद दुनिया के देशों में मचे व्यापार युद्ध मतलब टैरिफ वॉर से उतपन्न होने वाले द्विपक्षीय कारोबारी आपदा को तीसरे पक्ष हेतु अवसर में बदलने के लिए भारत के लिए क्या संभावनाएं हैं और उसकी क्या रणनीति होनी चाहिए, इस विषय पर हम यहां चर्चा करेंगे। क्योंकि आर्थिक मामलों के जानकारों का मानना है कि अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध भारतीय निर्यातकों के लिए फायदेमंद हो सकता है। समझा जाता है कि अमेरिका–चीन जैसे दो बड़े देशों के इस अप्रत्याशित कदम से अमेरिकी बाजार में भारतीय निर्यात बढ़ने की उम्मीद है। वहीं, आंकड़ा जन्य अनुभव बताता है कि ट्रंप के पहले कार्यकाल (2016–2020) के दौरान जब अमेरिका ने चीनी चीजों पर टैरिफ लगाया था, तो उस दौरान भारत चौथा सबसे बड़ा फायदा पाने वाला देश था। इसलिए विशेषज्ञों का कहना है चीन से आयात पर अमेरिका की ओर से टैरिफ लगाए जाने से भारत को अमेरिका में निर्यात के लिए बहुत अवसर मिलेंगे। क्योंकि टैरिफ लगाए जाने से चीन से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर असर पड़ेगा। बताया जाता है कि इससे अमेरिकी बाजार में उनके सामान की कीमतें बढ़ जाएंगी। इससे अमेरिकी खरीदार उच्च लागत से बचने के लिए वैकल्पिक आपूर्तिकर्ताओं की तलाश करेंगे। इससे भारत को फायदा होगा। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 1 फरवरी 2025 को एक इग्जेक्युटिव आदेश पर हस्ताक्षर किए। जिसमें मेक्सिको से आने वाले सामानों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया। वहीं, कनाडा से आने वाले सामानों पर भी 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया। जबकि, कनाडा के ऊर्जा संसाधनों पर 10 प्रतिशत टैरिफ ही लगाने की घोषणा की गई। इस ऑर्डर में ही चीन से आयात पर भी 10 प्रतिशत टैरिफ लगाने की बात थी, जिससे चीन बौखला गया।अलबत्ता, अमेरिका के जवाब में चीन ने भी कुछ अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ लगा दिया है। उसके इस जवाबी कदम के साथ ही दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार युद्ध शुरू हो गया है। उधर, अमेरिकी कदम के जवाब में मेक्सिको और कनाडा ने भी अमेरिकी टैरिफ के बदले में जवाबी टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। इससे व्यापार युद्ध कई देशों के बीच पहुंच गया है। निकट भविष्य में इसके चक्कर में और कई देशों के आने की संभावना है। स्वाभाविक है कि इन सभी कदमों का सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह का प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा।बता दें कि इस बारे में अपनी सफाई देते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा है कि यह कदम अवैध इमिग्रेशन और ड्रग्स तस्करी से उपजी चिंताओं को लेकर उठाया गया है। क्योंकि रिपब्लिकन नेता ट्रंप ने इन दो मुख्य मुद्दों को अपने चुनावी अभियान का आधार बनाया था। चूंकि चुनाव में जीत दर्ज करने के बाद से ही उनकी ओर से जनता से किये हुए वादों को पूरा करने की दिशा में कदम उठाए जाने के संकेत दिए जा रहे थे। इसलिए यह कदम उठाया गया है।सवाल है कि चीन के अमेरिका पर टैरिफ लगाने का कितना प्रभाव उसपर पड़ेगा, तो जानकारों के मुताबिक जवाब यह होगा कि अमेरिका पर इसका सीमित प्रभाव हो सकता है। क्योंकि अमेरिका दुनिया में तरल प्राकृतिक गैस का सबसे बड़ा निर्यातक देश है, लेकिन उस निर्यात में चीन की हिस्सेदारी महज 2.3 फीसदी के आसपास है। वहीं, चीन का सबसे बड़ा कार आयात यूरोप और जापान से होता है। इसलिए विशेषज्ञ इसे चीन की सौदेबाजी की शक्ति हासिल करने के तौर–तरीके के रूप में इसे देख रहे हैं।वहीं, जहां तक इस ट्रेड वॉर के चीन पर असर होने का सवाल है तो जानकार बताते हैं कि चीन 120 से अधिक देशों के लिए प्रमुख व्यापार भागीदार है और अमेरिका उनमें से सिर्फ एक है। वहीं, पिछले दो दशकों में चीन ने अपनी अर्थव्यवस्था में व्यापार के महत्व को लगातार कम किया है और घरेलू उत्पादन में बढ़ोतरी की है। यही वजह है कि आज आयात और निर्यात का चीन के सकल घरेलू उत्पाद में केवल 37 प्रतिशत हिस्सा है, जबकि 2000 के दशक की शुरूआत में यह 60 फीसदी से अधिक था। इसलिए 10 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ उसे सिर्फ चुभेगा, जबकि पेइचिंग इस झटके को बर्दाश्त कर सकता है।कुछ यही वजह है कि चीनी वाणिज्य मंत्रालय ने भी अमेरिका के खिलाफ कई उत्पादों पर जवाबी टैरिफ लगाने की घोषणा की है। इसके साथ ही गत मंगलवार को उसने अमेरिकी सर्च इंजन श्गूगलश् की जांच की भी बात कही, ताकि उसके कारोबारी हितों को चोट पहुंचाया जा सके। बताया गया है कि चीन द्वारा अमेरिकी कोयला और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) उत्पादों पर 15 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा। साथ ही कच्चे तेल, कृषि मशीनरी, बड़ी कारों पर भी 10 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा। वहीं, मंत्रालय ने कहा कि अमेरिकी उत्पादों पर नए टैरिफ 10 फरवरी से शुरू यानी प्रभावी होंगे।वहीं, चीन की ओर से यह भी कहा गया है कि अमेरिका का एकतरफा टैरिफ बढ़ाना वर्ल्ड ट्रेड अऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूटीओ) के नियमों का घोर उल्लंघन है। यह उनकी समस्याओं को हल करने में कोई मदद नहीं करेगा। हां, इतना जरूर है कि यह चीन और अमेरिका के बीच सामान्य आर्थिक और व्यापार सहयोग को नुकसान पहुंचाएगा। चूंकि वैश्विक थानेदारी के लिए दोनों में आपसी होड़ मची हुई है, इसलिए यह स्वाभाविक कदम भी है। निकट भविष्य में कुछ और कदम भी उठाए जा सकते हैं।उधर, चीन के स्टेट ऐडमिनिस्ट्रेशन फॉर मार्केट रेगुलेशन ने यह भी कहा है कि वह गूगल पर विश्वास विरोध (एंटीट्रस्ट) कानूनों के उल्लंघन के संदेह में जांच कर रहा है। हालांकि, इसमें किसी टैरिफ का विशेष रूप से जिक्र नहीं किया गया। हालांकि, यह घोषणा वह ट्रंप के 10 प्रतिशत टैरिफ लागू होने के कुछ ही मिनट बाद ही की गई।

बताया जाता है कि ट्रंप ने मेक्सिको, कनाडा और चीन से आयात होने वाली वस्तुओं पर कड़े टैरिफ लगाने संबंधी एक आदेश पर गत शनिवार को हस्ताक्षर किए थे। इस पर प्रतिक्रिया जताते हुए संयुक्त राष्ट्र में चीन के स्थायी प्रतिनिधि फू कांग ने टैरिफ को लेकर अमेरिकी प्रशासन पर निशाना साधा था। इस दौरान उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि व्यापारिक युद्ध से किसी का भला नहीं होता। बकौल कांग, श्हम इस अनुचित वृद्धि का कड़ा विरोध करते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि अमेरिका को अपनी समस्याओं पर गौर करना चाहिए। ऐसा समाधान ढूंढना चाहिए जो उसके लिए और पूरे विश्व के लिए फायदेमंद हो।श हालांकि, ट्रंप ने अगले कुछ दिन में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बातचीत करने की योजना बनाई है। जबकि उनके द्वारा चीन पर लगाया गया 10 प्रतिशत टैरिफ गत मंगलवार से ही लागू हो गया।

उधर, इक्वाडोर के राष्ट्रपति डैनियल नोबोआ ने भी मेक्सिको की चीजों पर 27 प्रतिशत टैरिफ लागू करने की घोषणा की है। उन्होंने कहा है कि इक्वाडोर के उत्पादकों के साथ निष्पक्ष व्यवहार सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया गया है। माइक्रो ब्लॉगिंग साइट श्एक्सश पर एक पोस्ट में नोबोआ ने कहा कि वह मेक्सिको के साथ एक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार है, लेकिन दुर्व्यवहार होने पर नहीं। हालांकि उन्होंने विस्तार से इस बारे में कुछ भी नहीं बताया है। राष्ट्रपति नोबोआ ने सिर्फ इतना कहा है कि जब तक मुक्त व्यापार समझौता यानी एफटीए नहीं होता, मेक्सिको की चीजों पर 27 फीसदी टैरिफ लागू होगा। वहीं, कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रुडो और मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम के साथ अलग–अलग बातचीत में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दोनों देशों पर टैरिफ लगाए जाने के फैसले को लागू करने पर कम से कम एक महीने के लिए रोक लगाने पर सहमति जताई है। बता दें कि टैरिफ लगाए जाने के बाद, कनाडा के पीएम टुडो ने कहा था कि अमेरिका की कार्रवाई ने हमें एकजुट करने के बजाय अलग थलग कर दिया है। उन्होंने कहा था कि उनका देश शराब और फलों सहित 155 अरब डॉलर तक के अमेरिकी आयात पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा। टुडो ने श्एक्सश पर पोस्ट अपने हालिया बयान में कहा है कि, श्ट्रंप के साथ बातचीत में उन्होंने सीमा सुरक्षा पर अतिरिक्त सहयोग का वादा किया। इसके तहत टैरिफ को कम से कम 30 दिन के लिए रोक दिया जाएगा और हम साथ मिलकर काम करेंगे।श उन्होंने कहा कि वह भी अमेरिका के खिलाफ जवाबी कार्रवाई रोक रहे हैं।

विदेश भेजने के नाम पर कई लोगों से हो चुकी है ठगी

पीलीभीत (संवाददाता)। पूरनपुर निवासी गुरप्रीत सिंह को इंग्लैंड भेजा गया था। लेकिन, फीस न जमा करने पर उसे स्कूल से निकाल दिया। इसके बाद ही उसने डंकी रूट के जरिये अमेरिका जाने का निर्णय लिया और कई मुश्किलें झेलीं। गुरप्रीत ही नहीं कई युवा विदेश भेजने वालों के जाल में फंस चुके हैं। जनवरी में जिले के अलग–अलग थानों में विदेश भेजने के नाम पर ठगी के कई मामले भी दर्ज हुए।

पीलीभीत के पूरनपुर और लखीमपुर जिले का काफी बड़ा हिस्सा जंगल और नेपाल सीमा से जुड़ा है। नेपाल की खुली सीमा से बेरोक–टोक आवाजाही भी हो रही है। सुबह से रात तक लोग भारत से नेपाल और नेपाल से भारत आते हैं। वहीं अब पूरनपुर क्षेत्र में फर्जी वीजा का खेल भी अपनी जड़ें जमा रहा है। इस तरह के कई मामले भी सामने आ चुके हैं। कुछ माह पूर्व घुंघचाई क्षेत्र के एक प्रधान ने फर्जी पासपोर्ट बनाए जाने की शिकायत भी दर्ज कराई थी। सीओ पूरनपुर ने मामले की जांच भी की।

पिछले छह माह में जिले के अलग–अलग थानों में फर्जी वीजा के नाम पर ठगी के कई मुकदमे दर्ज हो चुके हैं। किसी को आस्ट्रेलिया का फर्जी वीजा थमाया गया, तो किसी को जार्जिया भेज दिया गया। दिल्ली के एयरपोर्ट पर भी फर्जी वीजा का खेल पकड़ा गया। आरोपी पीलीभीत का निवासी था। इन सब मामलों के सामने आने के बाद भी जिम्मेदार इस खेल को उजागर करने में मौन हैं। थाना सुनगढ़ी के नौगवां पकड़िया निवासी आबिद ने 20 जनवरी को कोर्ट के आदेश से पूरनपुर के मोहल्ला साहूकारा निवासी रिजवान पर मुकदमा दर्ज कराया। बताया कि आरोपी ने उसे विदेश भेजकर नौकरी दिलाने का झांसा दिया और टूरिस्ट वीजा पर दुबई भेज दिया। दो माह काम कराने के बाद कंपनी ने उसे बाहर निकाल दिया। काफी मुश्किलों के बाद वह घर आ सके। आरोपी ने उससे 2.20 लाख रुपये ठग लिए।

माधोटांडा थाने के गांव मथना जप्ती निवासी जितेंद्र सिंह को भेजने के नाम पर आरोपी ने 19.30 लाख रुपये ठग लिए। फर्जी वीजा बनाकर ऑस्ट्रेलिया भेज दिया। ऑस्ट्रेलिया पहुंचते ही उसे एयरपोर्ट पर पकड़ लिया गया और वापस भेज दिया। जितेंद्र ने 12 जनवरी को एसपी के आदेश पर माधोटांडा थाने में मुकदमा दर्ज कराया।

जालसाजों ने पलिया के सुभाषनगर निवासी अमर सिंह को यूरोप भेजने का झांसा दिया। कई बार में 5.50 लाख रुपये लिए। जार्जिया का फर्जी विजिट वीजा बनाकर भेज दिया। जार्जिया एयरपोर्ट से अमरसिंह को वापस भेज दिया। अमरसिंह ने नवंबर में पूरनपुर के आईलेट संचालक पर केस दर्ज कराया था। उत्तराखंड के सितारगंज थाना के मैनाझुंडी निवासी सुखदेव सिंह ने भी फर्जी बनाए जाने के संबंध में 17 नवंबर को गजरौला थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बताया कि आरोपियों ने पुत्र को आस्ट्रेलिया भेजने के नाम पर करीब 20 लाख रुपये ठगे और फर्जी वीजा मोबाइल पर भेजा। इसी तरह फर्जी वीजा के कई अन्य मामले भी सामने आए।

313 गोशालाएं, फिर भी सड़क पर घूम रहे चार हजार से ज्यादा छुट्टा पशु

बदायूं (संवाददाता)। सरकार के तमाम दावों के बाद भी छुट्टा पशुओं की समस्या का समाधान नहीं हो सका है। जिले में अब भी करीब चार हजार से ज्यादा छुट्टा पशु सड़कों पर घूम रहे हैं। यह हाल तब है जब जिले में 313 गोआश्रय स्थल हैं और इनमें 30 हजार से ज्यादा गोवंश रखे गए हैं। बावजूद इसके छुट्टा पशु खेत चर जा रहे हैं और लोगों पर हमलावर हो रहे हैं।

पशु पालन विभाग का दावा है कि प्रदेश में सबसे ज्यादा 313 गोआश्रय स्थल बदायूं में हैं। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी का कहना है कि इनमें 30,687 गोवंश संरक्षित हैं। एक गोआश्रय स्थल का सूरजपुर गांव में निर्माण चल रहा है। किसी भी जिले में इतने गोआश्रय स्थल नहीं हैं। बावजूद इसके जिले में छुट्टा पशुओं की समस्या खत्म नहीं हो रही।

यह हाल तब है जब करीब 7,186 गोवंशों को पकड़कर ग्रामीणों की सुपुदर्गी में दिया जा चुका है। एक अनुमान के तहत जिले में चार हजार से ज्यादा छुट्टा पशु अब भी सड़कों पर घूम रहे हैं। छुट्टा पशु किसानों की फसलों को चौपट कर रहे हैं। इन दिनों खेतों में गेहूं और सरसों की फसल खड़ी है। सब्जियां भी हो रहीं है। छुट्टा जानवर खेतों में घुसकर फसल चर जा रहे हैं। ऐसे में किसान रात–रात भर जागकर फसल को रखा रहा है।

पशु पालन विभाग का दावा है कि जिले के गोआश्रय स्थल में नंदी (सांड़) को रखने के लिए अलग से व्यवस्था की गई है। मौजूदा समय में जिले में 1800 से ज्यादा नंदी बंद हैं। इसके बाद सड़कों पर करीब 500 से ज्यादा छुट्टा घूम रहे हैं। इन सांड़ों से अब लोगों की जान को खतरा हो रहा है। एक जनवरी से अब तक करीब चार लोगों की जिले में सांड़ के हमले में मौत हो चुकी हैं।

अमेरिकी सैनिकों का व्यवहार अच्छा

डर के चलते लगाई थीं बेड़ियां

पीलीभीत (संवाददाता)। अमेरिका में अवैध प्रवासी घोषित किए गए 104 भारतीय नागरिकों को भारत वापस भेज दिया गया। इनमें पीलीभीत के पूरनपुर का रहने वाला गुरप्रीत सिंह भी शामिल है। वह 22 लाख रुपये कर्ज लेकर डंकी रूट के जरिये अमेरिकी सीमा पर पहुंचा था, लेकिन वहां सेना ने पकड़ लिया। पुलिस से पूछताछ में गांव बंजरिया निवासी गुरप्रीत ने बृहस्पतिवार को अपनी पूरी दास्तां बताई। दिल्ली से लेकर आई पुलिस टीम ने पूछताछ के बाद परिजन को सौंप दिया। गुरप्रीत ने बताया कि 22 दिन तक अमेरिका में डिटेंशन कैंप में रखा गया। इस दौरान उसे भोजन तो दिया गया लेकिन नहाने नहीं दिया।

गुरप्रीत सिंह ने बताया कि स्टडी वीजा पर सितंबर 2022 में 15 लाख रुपये खर्च कर नगर में आईलेट सेंटर चलाने वाले संचालक के माध्यम से इंग्लैंड गया था। इंग्लैंड में स्टडी पर विदेश भेजने वाले से छह महीने की फीस जमा करना तय हुआ था, लेकिन उसने दो महीने की फीस जमा नहीं की। इस वजह से इंग्लैंड में उसे स्कूल से निकाल दिया गया। इसके बाद मजदूरी कर इंग्लैंड में रहता रहा। इस दौरान वीजा की अवधि समाप्त हो गई। इसके बाद उसने इंग्लैंड से कनाडा, ऑस्ट्रेलिया के वर्क वीजा की कोशिश की। इंग्लैंड में भारत के रहने वाले एक व्यक्ति से उसकी मुलाकात हुई। उसने डंकी रूट से उसे अमेरिका तक पहुंचाने का वादा किया। इसके लिए उसके भाई ने कर्ज लेकर 22 लाख रुपये का इंतजाम कराया। डंकी रूट से अमेरिका भिजवाने वाले ने दिसंबर 2024 को उसे स्पेन का टूरिज्म वीजा दिलाया। स्पेन से मैक्सिको होते हुए उसे बीहड़, सुनसान जंगल के रास्तों से कई किलोमीटर पैदल चलाया गया।

डंकी रूट से अमेरिका भेजने वालों ने उसका मोबाइल बंदूक के बल पर छीनकर तोड़ दिया। 13 जनवरी 2025 को अमेरिका सीमा में पहुंचा दिया गया। अमेरिका सीमा में घुसते ही उसे वहां की सेना ने पकड़ लिया। 22 दिन तक अमेरिका में डिटेंशन कैंप में रखा गया। इसके बाद गलत ढंग से अमेरिका में घुसे भारत के लोगों की सूची के अनुसार सभी को हाथों में हथकड़ी और पैरों में बेड़ियां लगाकर जहाज से गोवान और वहां से अमृतसर हवाई जहाज से लाया गया। गुरप्रीत ने बताया कि इस दौरान उसे खाने को तो दिया गया, लेकिन 22 दिन नहाने नहीं दिया गया।

गुरप्रीत ने 22 दिन पहले अपने सेना में तैनात भाई को फोन कर अमेरिका पहुंचने की जानकारी दी थी। इसके बाद उसका संपर्क परिजन से नहीं हो रहा था। पुत्र से बात न होने पर उसकी मां जसविंदर कौर परेशान थीं। बुधवार को जब उसके अमेरिका में पकड़े जाने और उसे भारत वापस लाने की जानकारी हुई। तब से जसविंदर कौर दुखी थीं।

गुरप्रीत के घर लौटने की जानकारी पर उसके घर रिश्तेदारों, करीबियों की भीड़ लगी रही। 15 लाख रुपये खर्च कर इंग्लैंड और 22 लाख रुपये खर्च कर अमेरिका डंकी रूट से पहुंचा गुरप्रीत वापस खाली हाथ भारत लौटा तो मायूस दिखा। पिता गुरमीत भी मायूस और दुखी थे। गुरप्रीत से पुलिस ने करीब ढाई घंटे से अधिक पूछताछ की। इसके बाद उसके पिता को सौंप दिया।

गुरप्रीत सिंह ने बताया पकड़े जाने के बाद अमेरिकी सैनिकों का हरियाणा को छोड़कर अन्य लोगों के प्रति व्यवहार ठीक था। हरियाणा के लोगों की बोली को लेकर सैनिक उनको असभ्य बता रहे थे। बताया कि हाथों और पैरों में हथकड़ी इस वजह से लगाई गई कि सैनिकों की संख्या कम थी। पकड़े गए लोग कहीं उन पर हमला न कर दें।

पति को नल से बांध कर पत्नी ने पीटा

बदायूं (संवाददाता)। जिले में रील बनाने की शौकीन पत्नी ने दिल्ली न ले जाने पर पति को झांसे में लेकर नल से बांध दिया। पति का आरोप है कि पत्नी ने नल से बांध कर उसे पीटा। करीब एक घंटे तक पति को नल से बंधक बनाए रखा। शोर शराबा होने पर मोहल्ले के लोग मौके पर पहुंच गए। उन्होंने नल से बंधे युवक को बंधन मुक्त कराया। पीड़ित युवक ने पत्नी के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है। वहीं, पत्नी ने पति पर दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाया है। पुलिस दोनों ही मामलों की जांच कर रही है।

दातागंज क्षेत्र का एक युवक दिल्ली में रहकर मेहनत मजदूरी करता है। वहां उसके एक युवती से प्रेम संबंध हो गए थे। दोनों ने विवाह कर लिया। युवक का आरोप है कि उसकी पत्नी को रील बनाने का शौक है। वह हर समय रील बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड करती रहती है। घर के कामकाज पर ध्यान नहीं देती।

इस वजह से वह कुछ दिन पहले दिल्ली से अपने घर लौट आया। इससे पत्नी को रील बनाने में परेशानी होने लगी। वह उसके साथ वापस दिल्ली जाना चाह रही थी, लेकिन वह उसे साथ नहीं ले जाना चाहता था। शुक्रवार सुबह युवक कहीं जा रहा था। इसी दौरान पत्नी ने उससे कहा कि वह उसके साथ रील बनाना चाहती है। उसने हामी भर दी। इसके बाद पत्नी ने उसके हाथ घर में लगे नल से बांध दिए और उसकी पिटाई करने लगी। युवक की चीख पुकार सुनकर घरवाले और आस पड़ोस के लोग मौके पर आ गए। उन्होंने उसे बचाया। इस दौरान किसी ने उसका नल से हाथ बंधे होने का फोटो वायरल कर दिया। पीड़ित युवक ने कोतवाली पहुंचकर पत्नी के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पत्नी से पूछताछ की। पत्नी ने पति पर दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाया है। दातागंज कोतवाल गौरव विश्नोई ने बताया कि दोनों में आपसी विवाद है। मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

आत्महत्या के लिए उकसाने पर पत्नी–पुत्र समेत तीन को जेल

बदायूं (संवाददाता)। बिल्सी थाना क्षेत्र के गांव रिसौली में बीती 14 जनवरी को एक वृद्ध का शव गांव के पास बंद पड़े ईंट–भट्ठे के पास मिला था। इस मामले में आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में पत्नी, पुत्र समेत तीन को जेल भेजा गया है।

कोतवाल राजेंद्र सिंह पुंडीर ने बताया कि बीती 14 जनवरी को रिसौली निवासी रमाकांत का शव गांव के पास संदिग्ध ा हालात में मिला था। इसमें मृतक की पत्नी ओमवती ने एक तहरीर दी थी, जिसके बाद अज्ञात लोगों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया गया था। पोस्टमॉर्टम में मौत का कारण फंदे से लटकना आया था। इसके बाद पुलिस ने गांव निवासी वीरपाल पुत्र रोशनलाल से घटना के संबंध में पूछताछ की। उसने बताया कि 13 जनवरी की रात में करीब तीन बजे वह अपने घर पर सोया हुआ था, उसे बुलाने रमाकान्त का पुत्र बिनेश आया। उसने बताया कि उसके पापा ने छत के कुंडे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है।

इस पर वीरपाल, विनेश के साथ उसके घर गया। तीनों ने मिलकर रमाकांत का शव उतारा। इसके बाद रमाकान्त की पत्नी ओमवती ने कहा कि शव जंगल में कहीं फेंक आओ। इसके बाद रमाकान्त के शव को बैलगाड़ी में रखकर गांव के बाहर भट्ठे पर घास के झुंडों में डाल आए। पुलिस ने रमाकांत को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में उसके पुत्र विनेश, पत्नी ओमवती और वीरपाल को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

दो मालगाड़ियों की सीधी भिड़ंत, दोनों के चालक घायल

फतेहपुर। जिले में एक बार फिर बड़ा रेल हादसा हुआ, जिसमें खागा कस्बे के पास पांभीपुर इलाके में दो मालगाड़ियों की आमने–सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में दोनों माल गाड़ियों के चालक घायल हो गए हैं। दुर्घटना के बाद विभागीय अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं और राहत व बचाव कार्य जारी है। इस हादसे के कारण रेलवे ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित हो सकती है। फिलहाल हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

सूत्रों के अनुसार, दोनों मालगाड़ियां एक ही ट्रैक पर आमने–सामने आ गईं, जिससे उनकी सीधी टक्कर हो गई। इस टक्कर में दोनों गाड़ियों के इंजन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और दोनों चालकों को गंभीर चोटें आईं। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे के उच्च अधिकारी मौके पर पहुंच गए और राहत व बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। घायल चालकों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है।

इस हादसे के कारण रेलवे यातायात प्रभावित हो गया है। कई ट्रेनों को रोका गया है या उनके मार्ग बदले गए हैं। रेलवे प्रशासन जल्द से जल्द ट्रैक को साफ कराकर यातायात सामान्य करने की कोशिश कर रहा है। फिलहाल, हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। रेलवे प्रशासन ने इस मामले में उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। जांच के बाद ही हादसे की असली वजह सामने आ पाएगी।

टीबी जागरूकता अभियान चलाया

फतेहपुर, संवाददाता। टीबी हारेगा देश जीतेगाष्के भाव से जन जन को जागरूक करने हेतु कमर कस चुके इंडियन रेडक्रास सोसाइटी के चेयरमैन व यूथ आइकॉन डॉ. अनुराग श्रीवास्तव द्वारा 100 दिवसीय सघन टीबी अभियान के तहत व जिलाधिकारी श्री रविंद्र सिंह के मार्गदर्शन में टीबी जागरूकता अभियान सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज वीआईपी रोड व कार्यालय कृषि भवन के अधिकारियों व कर्मचारियों के मध्य चलाया गया।

डॉ अनुराग द्वारा सभी बालक बालिकाओं व कर्मचारियों को बताया गया कि भारत में सबसे अधिक टीबी रोगी हैं, टीबी आमतौर से फेफड़ों में होती है व शरीर के अन्य अंगों में भी फैल सकती है, टीबी के मुख्य लक्षण 2 हफ्ते से लगातार खांसी, रात में पसीना, मुँह से खून,सीने में दर्द,सांस लेने में तकलीफ, वजन कम होना, भूख न लगना, थकान, गर्दन में गांठे इत्यादि होते हैं। जिनके ऐसे लक्षण हैं उन्हें जिला अस्पताल में दिखाकर जांच अवश्य कराएं। साथ ही यह भी बताया कि टीबी से 60 साल से अधिक उम्र वाले लोग, कुपोषित लोग, डायबिटीज रोगी, धूम्रपान व नशा करने वाले, इलाज प्राप्त कर रहे टीबी रोगी के साथ रहने वाले, एचआईवी ग्रसित व मलिन बस्तियों में रहने वाले लोग ग्रसित होने की सम्भावना अधिक रहती है। साथ ही टीबी रोगियों के गोद लेने के लिए बच्चों के माध्यम से उनके अभिभावकों व कर्मचारियों को निक्षय मित्र बनने हेतु निवेदन किया।साथ ही टीबी जागरूकता के पोस्टर भी विद्यालय में लगाए गए व पत्रक भी वितरित किए गए। अंत में डॉ. अनुराग द्वारा सभी को टीबी मुक्त भारत के लिए शपथ भी दिलाई गई।सभी बच्चे व कर्मचारी टीबी हारेगा देश जीतेगा के नारे लगा रहे थे। इस अवसर पर उपकृषि निदेशक राममिलन सिंह परिहार, प्रधानाचार्य नरेंद्र सिंह, रंजीत कुमार चौरसिया, हरीश श्रीवास्तव, महेश सिंह व प्रमुख सहयोगी अभिनव श्रीवास्तव संयोजक होमियोपैथिक केमिस्ट प्रकोष्ठ इंडियन रेडक्रास सोसाइटी उपस्थित रहे।

महिला को पीटने का वीडियो वायरल

फतेहपुर, संवाददाता। राजस्व की पैमाइश के बाद कब्जे के विवाद में महिला की पिटाई का वीडियो वायरल होने के बाद भी पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की है। आरोप है कि रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए पुलिस पीड़ित पक्ष से अपने तरीके से तहरीर लिखवाना चाहती है। पीड़ित पक्ष ने सीएम पोर्टल पर शिकायत की है। ऐसे ही एक अन्य मामले में लखनऊ से आए सेल्समैन की भी रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। सदर कोतवाली क्षेत्र के मदारीपुर कला निवासी जयकरन की पत्नी सुनीता ने बताया कि घर के पीछे भूमि पर पड़ोसी परिवार की नीयत बिगड़ी है। भूमि पर निर्माण का परिवार विरोध करता है। उसने समाधान दिवस में शिकायत की थी। शिकायत पर दोनों पक्षों के सामने राजस्व व पुलिस टीम ने जांच कर उसे कब्जा दिलाया था। भूमि पर 30 जनवरी की शाम निर्माण के लिए ईंट रखवा रही थी। इसी दौरान दूसरे पक्ष की तीन से चार महिलाएं पहुंचकर उसे पकड़ लिया। भूमि पर घसीटकर लात घूसों से पीटा। मारपीट का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। वायरल वीडियो मेंसुनीताको तीन चार महिलाएं बाल पकड़कर पीटते नजर आ रहीं हैं। मामले की शिकायत के बाद पुलिस ने एक व्यक्ति का शांतिभंग में चालान कर दिया। आरोप लगाया कि तहरीर पुलिस अपने अनुसार लिखवाना चाह रही है। न लिखने पर रिपोर्ट दर्ज नहीं की जा रही है। सीओ सिटी सुशील दुबे ने बताया कि शिकायतोंकी जांच कराई जाएगी।

किराना व्यापारी ने खाया जहर, मौत

फतेहपुर, संवाददाता। किराना व्यापारी ने घरेलू वजहों से जहर खाकर जान दे दी। मंगलवार रात पिता अपने बेटे के साथ खाना खा रहा था तभी उसकी अचानक हालत बिगड़ गई। परिजन नर्सिंग होम ले गए। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। व्यापारी का पत्नी से विवाद चलने के कारण पत्नी मायके में रह रही है।असोथर थाना क्षेत्र के नगर पंचायत बस स्टॉप के पास रहने वाले राकेश उर्फ कल्लू शिवहरे (38) किराना दुकानदर थे। उनकी पत्नी चांदनी देवी मनमुटाव के चलते पिता राजबहादुर शिवहरे निवासी बकरमंडी थाना बजरिया कानपुर के साथ रहती है। कुछ दिन पहले 10 वर्षीय बेटा ओम घर आया था। ओम ने बताया कि मंगलवार रात पिता के साथ खाना खाने को बैठा था। उस समय पिता की आंखों से आंसू आ रहे थे। उनके रोने पर पूछा कि पापा कोई दिक्कत है क्या। कुछ देर बाद पिता की तबीयत बिगड़ गई।

शोर मचाकर पड़ोस में रहने वाले ताऊ को बुलाया। सभी लोग नर्सिंग होम लेकर गए। डॉक्टर ने हालत गंभीर देखकर रेफर किया। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान रात को मौत हो गई। राकेश शिवहरे की एक 14 वर्षीय पुत्री नैन, दो पुत्र ओम व तीन साल का डुग्गू है। प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मौर्या ने बताया कि प्राथमिक जांच में मामला जहर खाकर खुदकुशी का है। डॉक्टर जहर खाने का इलाज कर रहे थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर जांच की जाएगी।

सपा नेता हाजी रजा की 3 करोड़ की संपत्ति जब्त

फतेहपुर (निज संवाददाता)। जिले के सदर कोतवाली क्षेत्र के रहने वाले सपा नेता हाजी रजा मोहम्मद उर्फ हाजी मोहम्मद रजा पुत्र मोबीन निवासी पनी मोहल्ला के ऊपर दो दर्जन आपराधिक मुकदमा दर्ज है।साथ ही पुलिस के द्वारा गुंडा एक्ट के साथ गैंगस्टर एक्ट की कार्यवाही भी किया गया था।जिला प्रशासन के निर्देश पर एसडीएम और सीओ ने पुलिस बल और राजस्व टीम के मिलकर शहर के पनी मोहल्ला पहुचकर सपा नेता हाजी रजा मोहम्मद की जमीन और मकान को सीज करते हुए जब्त कर लिया।पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल ने बताया कि गैंगस्टर हाजी रजा मोहम्मद उर्फ हाजी मोहम्मद रजा पुत्र मोबिन के ऊपर पहले से 24 मुकदमा दर्ज है। इसके ऊपर गैंगस्टर की कार्यवाही किया गया था उसी के तहत धारा 14 (1) के तहत अमर जेई मोहल्ला स्थित जमीन गाटा संख्या 297 रकबा 441 वर्ग मीटर सहित मकान नम्बर 205 जिसकी तीन करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त किया गया है।यह एक शातिर अपराधी है और गैंग बनाकर काम करता था। इसके पहले भी कार्यवाही कर सम्पति जब्त किया गया है।

मदरसा एहसानिया के समागार में बैठक

कौशाम्बी। बैठक में मदरसों में अपार आई.डी. जेनरेशन की धीमी प्रगति पर मदरसा शिक्षा अधिकारी नाराज हुईं तथा दो दिन में शत प्रतिशत अपार आई.डी. जेनरेशन का कार्य पूर्ण करने का सख्ती से निर्देश दिए। इस अवसर पर मदरसा प्रधानाचार्यों ने फीडिंग में आ रही दिक्कतों से अवगत कराया। समस्या के निदान का मदरसा शिक्षा अधिकारी तथा खंड शिक्षा कार्यालय में कार्यरत आबिद रिजवी ने कराने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर मदरसा शिक्षा अधिकारी ने अभिभावकों को अपार आई. डी. के महत्व के बारे में बताया, तथा सहयोग का आह्वान किया। इस अवसर पर मोहम्मद इमरान प्रधानाचार्य जामिया इमदादुल उलूम करारी, शहला परवीन प्रधानाचार्या मदरसा जहाँगीर निस्वाँ मंझनपुर, नजीर अहमद मदरसा बाबा निज़ामी मौजूद रहे।

शराब की भट्ठियां ध्वस्त

फतेहपुर। थाना खखरेडू के अंतर्गत शराब भट्ठियों का जो अवैध रूप से चल रही थी पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम द्वारा सभी शराब भट्ठियों को ध्वस्त किया गया। इस मौके पर आबकारी निरीक्षक रमेश सिंह यादव एवं उनके टीम के अन्य लोग भी उपस्थित थे।

किन्नरों से लूट, गाड़ी तोड़फोड़ में पांच नामजद

निज संवाददाता

थरियांव, फतेहपुर। किन्नरों की गाड़ी में तोड़फोड़ कर लूटपाट के मामले में पुलिस ने पांच किन्नर व उनके अन्य साथियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

मामले को लेकर किन्नरों ने थाने में मंगलवार को करीब 15 घंटे तक धरना प्रदर्शन व हंगामा किया था।सदर कोतवाली क्षेत्र के पीरनपुर निवासी इकबाल बाई किन्नर गुट की फूलन बाई अपने साथी चंदा देवी, अंजली, ढोलक मास्टर भगत भास्कर, चालक फैयाज के साथ बहरामपुर रेलवे पुल के नीचे मैरिज हॉल से बधाई नेग लेकर लौट रही थीं।

आरोप है कि बहरामपुर रेलवे ओवरब्रिज पर दूसरे गुट के नरैनी निवासी सिड़िया किन्नर अपने साथी महबूब, नोखे, महेंद्र, करिश्मा व अन्य साथियों संग पहुंची। फूलन की बोलेरो रोक ली। गाड़ी में तोड़फोड़ कर सभी को बंधक बनाकर पीटा। किन्नरों से 72 ग्राम सोने के जेवरात व 25 हजार रुपये नकदी, एक मोबाइल लूटकर जान से मारने की धमकी देकर भाग निकले। दो हफ्ते पहले भी सिड़िया किन्नर ने साथियों संग थरियांव मैरिज हॉल में इकबाल गुट के किन्नरों से मारपीट की थी। मामले को लेकर मंगलवार को पूरे दिन किन्नरों ने थाने का घेराव किया था। करीब रात नौ बजे सीओ सिटी सुशील दुबे पहुंचे थे। सीओ के आदेश पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

बतकही
हिन्दी साप्ताहिक
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भूपेंद्र सिंह द्वारा दिशेरा प्रेस, श्याम नगर, खम्भापुर, फतेहपुर से मुद्रित तथा ग्राम– रामपुर पचभिटा, मकान नं. 193, पोस्ट– दावतपुर, थाना–मलवां, जिला– फतेहपुर (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक
भूपेंद्र सिंह